हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 109 देहरादून, शनिवार, 15 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

43 लाख बच्चों को मिलेगी कृमिनाशक दवा : डॉ0 धन सिंह रावत 3

संभावित यात्रा से पहले पीएम मोदी ने दी गुड़ न्यूज़, उड़ेगा उड़नखटोला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। विश्व प्रसिद्ध बाबा केदारनाथ धाम की कठिन चढ़ाई से श्रद्धालुओं को जल्द निजात मिल जाएगी। यहीं नहीं घंटों की थका देने वाली खतरनाक रास्तों की बजाय उनका सफर उड़नखटोले से पूरा होगा। जी हाँ खबर ये है कि केदारपुरी के लिए रोपवे बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इस परियोजना को राष्ट्रीय वन्य जंतु बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। परियोजना पर एक हजार करोड़ रुपये लागत तक का खर्च होगा। रोपवे बन जाने के बाद राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद की जा रही है।

प्रमुख सचिव, वन एवं लोनिवि, आरके सुधांशु ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रीय वन्य जंतु बोर्ड ने केदारनाथ सेंक्चुरी एरिया में रोपवे के निर्माण को स्वीकृति दे दी है। साथ ही केदारनाथ के पैदल ट्रेक व हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना को भी बोर्ड ने हरी झंडी दिखा दी है। इन परियोजनाओं का निर्माण केंद्र सरकार की पर्वतमाला परियोजना के तहत किया जाएगा। इस परियोजना में कुल 26 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत की जाएगी।

केदारनाथ के लिए रोपवे बन जाने के बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ की यात्रा महज 30 मिनट में पूरी हो जाएगी। रोपवे की क्षमता प्रति घंटा पांच हजार यात्रियों को ले जाने की होगी। साथ ही राष्ट्रीय वन्य जंतु बोर्ड ने रामबाड़ा से गरुड़चट्टी तक साढ़े पांच किलोमीटर पैदल ट्रैक के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। यह मार्ग 2013 की आपदा में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।

हेमकुंड साहिब रोपवे को भी हरी झंडी राष्ट्रीय वन्य जंतु बोर्ड ने सेंचुरी क्षेत्र नहीं होने के कारण हेमकुंड रोपवे परियोजना को मंजूरी को जरूरी नहीं माना। ऐसे में अब इस परियोजना को भी हरी झंडी मिल गई है।

सेना की सुविधा हेतु विभिन्न गतिविधियों के लिए जहां संयुक्त सर्वे की जरूरत : मुख्यमंत्री

■ सिविल मिलिट्री लायजन कॉन्फ्रेंस की बैठक में बोले सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में सिविल मिलिट्री लायजन कॉन्फ्रेंस की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखण्ड शासन एवं सेना के अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित विभिन्न एजेण्डा बिन्दुओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। सेना को राज्य सरकार से सहयोग की जो अपेक्षाएं होंगी, उनको प्राथमिकता में रखते हुए उचित हल निकाला जायेगा।

आज जो समन्वय बैठक हुई है, इसका आउटपुट निकालना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा

कि उत्तराखण्ड सैनिक बहुल प्रदेश है। जन सुविधा एवं सेना की सुविधा हेतु विभिन्न गतिविधियों के लिए जहां संयुक्त सर्वे की जरूरत है। जिला प्रशासन के अधिकारी एवं सैन्य अधिकारी संयुक्त सर्वे कर 03 सप्ताह के अन्दर शासन को रिपोर्ट दें, ताकि उन समस्याओं का उचित निदान करवाया जा सके। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, लेफ्टिनेंट जनरल जे.पी. मैथ्यू, जीओसी उत्तर भारत एरिया, मेजर जनरल संजीव खत्री जीओसी उत्तराखण्ड सब ऐरिया, प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, डीजीपी अशोक कुमार, सचिव शैलेश बगोली, दिलीप जावलकर, विनोद कुमार सुमन, शासन एवं सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी ने किया खटीमा में धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खटीमा, 14 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कृषि उत्पादन मण्डी समिति के एसएमआई के धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान धान क्रय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नमी मापक यंत्र से धान की नमी भी मापी। उन्होंने कहा कि जितने भी हमारे धान क्रय केन्द्र लगे हैं, उन पर किसान की उपज की तौल ठीक प्रकार से हो और हमारे किसानों का धान का एक-एक दाना तौला जाना चाहिए और एक-एक दाने की खरीद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी जो बारिश हुई है, उसके कारण धान में नमी हैं। निरीक्षण के दौरान किसानों ने धान की नमी का मानक 17 प्रतिशत से 20 प्रतिशत करने तथा प्राथमिकता से प्रदेश के किसानों का धान खरीदने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों को नमी पर

हर संभव राहत एवं किसानों की समय की जरूरत के अनुसार सभी पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पूर्व में ही निर्देशित किया गया है कि प्रदेश के सारे किसानों का पूरे का पूरा धान तौला जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान विधायक रूद्रपुर शिव अरोरा, किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, उप जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह, कौस्तुभ मिश्रा सहित नन्दन सिंह खड़ायत आदि उपस्थित थे।

पिकअप वाहन खाई में गिरा चालक समेत दो की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर, 14 अक्टूबर। उत्तराखंड में हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के किसी ने किसी कोने से रोजाना हादसों की ख़बरें सामने आती रहती हैं। अब त्यूनी से हादसे की खबर सामने आई है। यहां एक हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। प्लासू के पास एक पिकअप वाहन करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह करीब 8:30 बजे की है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को वाहन के खाई में गिरने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शवों को खाई से बाहर

निकाला।थानाध्यक्ष आशीष रवियान ने बताया कि मृतकों की पहचान चालक सुलेमान (उम्र 50 वर्ष) पुत्र गानी निवासी ग्राम रिक्षाणू थाना त्यूनी और सुनील चौहान (उम्र 35 वर्ष) पुत्र केशर सिंह चौहान निवासी थंगाड तहसील चौपाल थाना नेरवा जिला शिमला हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई। शवों को राजकीय अस्पताल त्यूनी की मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

नहीं रहे वरिष्ठ बीजेपी लीडर केदार सिंह फोनिया, सीएम धामी ने जताया दुःख

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। उत्तराखंड की राजनैतिक ख़बरों में एक दुखद खबर है। पहाड़ में बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं उत्तरप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे केदार सिंह फोनिया का निधन हो गया है। वह 92 वर्ष के थे। नेहरू कालोनी निवासी फोनिया पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शुक्रवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। जिसके बाद हर पार्टी और संगठनों ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी है।

पार्टी के विधायकों , मंत्रियों और कार्यकर्ताओं ने फोनिया के उनके निधन को बड़ा नुक्सान बताते हुए उनके स्मृतियों को याद किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता फोनिया के

निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे राज्य की अपूरणीय क्षति बताया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इंटरनेट मीडिया पर उन्होंने पोस्ट के जरिए संवेदनाएं व्यक्त की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी फोनिया के निधन पर दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया में लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री केदार सिंह फोनिया के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिवार को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा योगदान हमेशा अविस्मरणीय रहेगावहीं विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति, शोकाकुल परिवार तथा समर्थकों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

सावधान : ये लो अब फास्टैग के नाम से भी चोरी होने लगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर । एक बड़ी कार्रवाई में, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक गिरोह को नष्ट कर दिया, जो FASTag का उपयोग करके क्रेडिट कार्ड सेवाओं को सक्रिय करने के बहाने लोगों से धोखाधड़ी कर रहा था। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से उन्होंने लग्जरी कार और एसयूवी बरामद की है। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने एक महीने से भी कम समय में लोगों से 80 लाख रुपये ठगे।

घटना का पता तब चला जब पुलिस हत्या के मामले की जांच कर रही थी। वरिष्ठ अधिकारियों ने दावा किया कि गिरोह के एक सदस्य ने हत्या के संदिग्ध के साथ एक आवास साझा किया। 22 वर्षीय व्यक्ति, मोहम्मद जाहिद, एक लैपटॉप, एक स्मार्टफोन, एक कार्ड रीडर और सिम कार्ड के कब्जे में पाया गया। उससे उसकी संपत्ति के बारे में पूछा गया, लेकिन वह जवाब नहीं दे सका।हिरासत में लिए जाने के बाद, जाहिद ने पुलिस के सामने कबूल किया कि वह एक गिरोह का सदस्य है जो क्रेडिट कार्ड सक्रियण और अन्य सेवाओं की आड़ में लोगों को ठग रहा है। उन्हें पवन सिंह के झूठे खातों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सहयोगी रवि मित्तल की पहचान का खुलासा किया, जो पीड़ित के खाते की जानकारी का उपयोग FASTag वॉलेट बनाने के लिए करेगा।क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के मुताबिक, गिरोह ने फास्टैग वॉलेट का इस्तेमाल कर पीड़िता के खातों से पैसे निकाले और फिर उसे डायवर्ट कर दिया। पुरुषों ने विभिन्न बैंकों के ग्राहकों को बुलाया, जिन्हें वे अधिकारी होने का नाटक करते हुए निशाना बना रहे थे।पुलिस अधिकारियों ने छापेमारी कर सरगना सिंह और उसके साथी मित्तल को पकड़ लिया।पुलिस के अनुसार, मित्तल ने पर्स बनाए और हरियाणा और चंडीगढ़ के पेट्रोल पंपों पर स्वाइप मशीनों से पैसे निकाले, जबकि जाहिद ने पैसे प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फर्जी खातों का प्रबंधन किया।

Jio और Airtel 5G केवल इन फोन पर काम करेंगे : चेक करें कि आपका फोन लिस्ट में है या नहीं

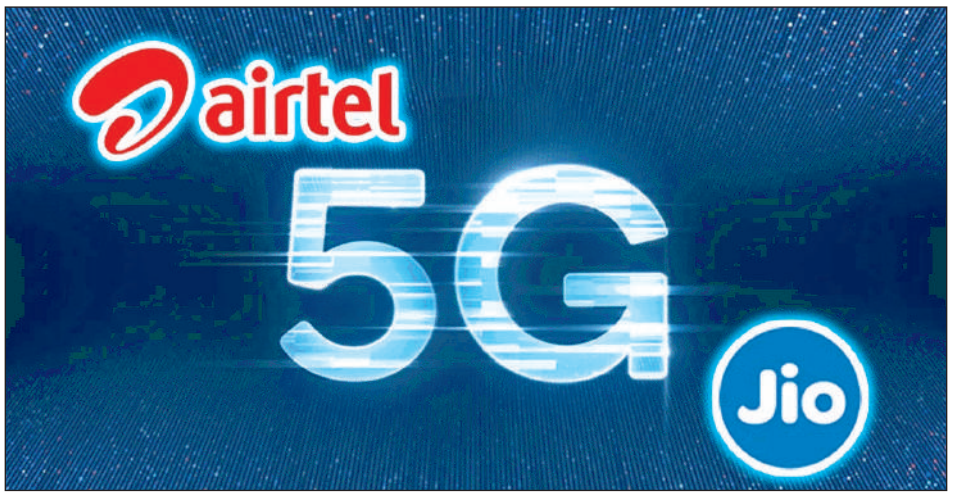

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 14 अक्टूबर। Jio और Airtel दोनों ही कुछ शहरों में अपनी 5G सेवाएं पहले से ही शुरू कर रहे हैं। Jio 5G जहां 4 शहरों में उपलब्ध है, वहीं Airtel 5G Plus 8 शहरों में उपलब्ध है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि 5G केवल 5G- सक्षम स्मार्टफोन पर काम करेगा, लेकिन उन सभी पर नहीं। इसका क्या मतलब है? खैर, हाल ही में आई एक रिपोर्ट बताती है कि केवल कुछ बैंड का समर्थन करने वाले 5G फोन केवल Jio और Airtel की 5G सेवाओं का समर्थन करने में सक्षम होंगे।

लाइव हिंदुस्तान से आने वाली एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि टेलीकॉम ऑपरेटरों के पास 5G सेवाओं की पेशकश करने के लिए अलग-अलग बैंड हैं और केवल उन्हीं बैंड वाले स्मार्टफोन हैं जो हाई-स्पीड 5G सेवाओं को चलाने में सक्षम होंगे। इसका मतलब यह भी है कि भारत में Xiaomi, Realme, Vivo, Oppo जैसे अन्य ब्रांडों के सभी 5G डिवाइस हाई-स्पीड 5G सेवा नहीं चला पाएंगे। Jio 5G के लिए, केवल तीन ब्रांड 5G को सपोर्ट कर पाएंगे, जो है - n28, n78 और n258।

निम्नलिखित उन उपकरणों की पूरी सूची है जो Jio और Airtel दोनों 5G सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने में सक्षम होंगे। विशेष रूप से, चुनिंदा ओईएम को अभी ओटीए अपडेट को आगे बढ़ाना है जो उपयोगकर्ताओं को अपने फोन को Jio या Airtel 5G से आसानी से कनेक्ट करने में मदद करेगा। इसलिए, यदि आपके पास सूची में सूचीबद्ध 5G समर्थित उपकरणों में से एक है और अभी तक 5G सेवा का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं, तो ब्रांड द्वारा अपडेट को आगे बढ़ाने की प्रतीक्षा करें।

बेहतरीन स्मार्टफोन लेना है? वो भी बजट में, यहाँ से मिल जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 14 अक्टूबर । फ्लिपकार्ट बिग दिवाली सेल अपने तीसरे दिन में प्रवेश कर गई है। यह एसबीआई बैंक और कोटक बैंक के ग्राहकों के लिए 10% तत्काल छूट प्रदान करता है। अगर आप इस फेस्टिव सीजन में मिड-रेंज फ्लैगशिप लेवल का स्मार्टफोन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यहां आपके लिए एक डील है। ई-टेलर नथिंग, रियलमी, वीवो और अन्य के स्मार्टफोन्स पर ऑफर्स दे रहा है। हमने ₹30,000 के तहत स्मार्टफोन सौदों की एक सूची तैयार की है।

पोको F4 5G

फ्लिपकार्ट बिग दिवाली सेल के दौरान Poco F4 5G का 6GB रैम और 128GB ROM वैरिएंट 32,999 रुपये के बजाय 23,499 रुपये की रियायती कीमत पर उपलब्ध है। ग्राहक कोटक बैंक क्रेडिट कार्ड और एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर ₹1,250 तक 10% की छूट का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, इस डील पर ₹16,900 तक का एक्सचेंज ऑफर भी है। इस स्मार्टफोन में 6.67-इंच की FHD+ डिस्प्ले है और यह क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 870 प्रोसेसर के साथ आता है। इसमें ट्रिपल बैक कैमरा सेटअप है और इसमें 4500mAh की बैटरी है।

रियलमी 9 प्रो+ 5जी

Realme 9 Pro+ 5G की 128GB स्टोरेज के साथ 6GB रैम को 27,999 रुपये के बजाय 24,999 रुपये में लिस्ट किया गया है। ग्राहक फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक कार्ड पर 5% कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, इस डील पर ₹16,900 तक का एक्सचेंज ऑफर भी है। इस स्मार्टफोन में 6.4-इंच की FHD+ AMOLED डिस्प्ले है और यह Mediatek डाइमेंशन 920 प्रोसेसर के साथ आता है। इसमें ट्रिपल बैक कैमरा सेटअप है और इसमें 4500mAh की बैटरी है।

Xiaomi 11i 5G

Xiaomi 11i 5G 31,999 रुपये के बजाय 26,999 रुपये की रियायती कीमत पर उपलब्ध है। ग्राहक कोटक बैंक क्रेडिट कार्ड और एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर ₹1,250 तक 10% की छूट का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, इस डील पर ₹19,150 तक का एक्सचेंज ऑफर भी है। इस स्मार्टफोन में 6.67-इंच FHD+ AMOLED डिस्प्ले है और यह Mediatek डाइमेंशन 920 प्रोसेसर के साथ आता है। यह 5160mAh की बैटरी पैक करता है।

विवो वी25 5जी

इस स्मार्टफोन का 8GB रैम और 128GB ROM वैरिएंट 32,999 रुपये के बजाय 27,999 रुपये में उपलब्ध है। ग्राहक कोटक बैंक क्रेडिट कार्ड और एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर ₹1,250 तक 10% की छूट का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, इस डील पर ₹18,900 तक का एक्सचेंज ऑफर भी है। इस स्मार्टफोन में 6.44-इंच की FHD+ डिस्प्ले है और यह Mediatek डाइमेंशन 900 प्रोसेसर के साथ आता है। इसमें ट्रिपल बैक कैमरा सेटअप है और इसमें 4500mAh की बैटरी है।

43 लाख बच्चों को मिलेगी कृमिनाशक दवा : डॉ0 धन सिंह रावत

- कृमि संक्रमण रोकने के लिये जरूरी है दवा का सेवन
- प्रदेशभर के स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दी जायेगी डोज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने श्री गुरू नानक पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रेमनगर देहरादून में बच्चों को कृमिनाशक दवा खिला कर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की पहल पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेशभर में 43.55 लाख बच्चों को कृमि मुक्ति की दवा खिलाई जायेगी। जिसमें स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों की बड़ी भूमिका होगी। इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये सभी जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को शिक्षा विभाग सहित अन्य रेखीय विभागों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दे दिये गये हैं। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने श्री गुरू नानक पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रेमनगर में छात्राओं को कृमि मुक्ति की दवा खिलाई।

डॉ0 रावत ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, बच्चे स्वस्थ रहेंगे तो देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश भर के सभी निजी एवं सरकारी स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 01 से लेकर 19 आयु वर्ग के 43.55 लाख बच्चों को प्रशिक्षित शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा कृमिनाशक दवा अल्बेंडाजॉल खिलाई जायेगी। इसके लिये सभी जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को शिक्षा विभाग, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग एवं पंचायतीराज विभाग से समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। विभागीय मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये 56453 कार्मिकों को तैनात किया गया है। जिसके अंतर्गत 11888 आशाएं, 22815 अध्यापक, 20067 आंगनबाडी कार्यकत्रियां, 2673 एएनएम शामिल है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवा खाने से छूट गये बच्चों को 17 अक्टूबर को मॉप-अप दिवस पर कृमिनाशक दवा खिलाई जायेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एल्बेंडाजोल दवा बच्चों को दी जानी अनिवार्य है, ताकि पेट में होने वाले कीड़े या कृमि को खत्म कर बच्चों को स्वस्थ रखा जा सके।

कार्यक्रम में प्रभारी महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ0 विनीता शाह, निदेशक प्राथमिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल, निदेशक एनएचएम डॉ0 सरोज नैथानी, सीएमओ देहरादून डॉ0 मनोज उप्रेती सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतिदिन 100 से अधिक शिकायतें, देहरादून नगर निगम का कहना है 'केवल 500 खराब स्ट्रीट लाइट'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर , नगर निकाय के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देहरादून नगर निगम को विभिन्न पोर्टलों और हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से प्रतिदिन 100 से अधिक शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। जबकि डीएमसी अधिकारियों ने दावा किया कि शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है और उनकी संख्या हर रोज कम हो रही है, बता दे निवासी और नगर पार्षद इस बात से असहमत हैं।

डीएमसी का दावा है कि देहरादून के 100 वार्डों में 97,949 स्ट्रीट लाइटें, 500 से कम वर्तमान में खराब हैं। हाथीबरकला के पार्षद भूपेंद्र कथैत ने कहा कि यह सच नहीं हो सकता, क्योंकि ₹हर वार्ड में, कम से कम 10 से 12 लाइटें खराब हैं₹। ₹मुख्यमंत्री के घर, राज्यपाल के घर और विधानसभा के आस-पास के पूरे इलाके अंधेरे में डूबे हुए हैं, कई रिहायशी इलाकों का जिक्र नहीं है जहां रोशनी बिल्कुल नहीं है। यह कैसे संभव है कि केवल 500 ही खराब है?₹ उन्होंने कहा।

कुछ पार्षदों ने नए स्विच में निवेश करने पर भी सवाल उठाया, जबकि पुरानी लाइटों की मरम्मत अभी बाकी है।

एक अन्य काउंसलर ने कहा, ₹अगर एजेंसी स्ट्रीट लाइट को ठीक करने में असमर्थ है, तो इसे बदल दिया जाना चाहिए।₹ कई प्रमुख इलाकों के निवासियों ने कहा कि सूर्यास्त के बाद अंधेरी सड़कों के कारण वे अपनी बुद्धि के अंत में हैं। सहस्त्रधारा क्षेत्र के निवासी नितिन रावत ने कहा, ₹सूर्यास्त के बाद पूरा सहस्त्रधारा मार्ग अंधेरा हो जाता है। एक भी रोशनी काम नहीं करती है। यहां पेड़ काटने का काम चल रहा है। अंधेरे में यह सब कल्पना करें।₹ नगर आयुक्त, डीएमसी, मनुज गोयल ने कहा, ₹मरम्मत कार्य में तेजी आई है और शिकायतों की दैनिक संख्या कम हो गई है। प्रमुख सड़कों पर नए स्वचालित स्विच भी स्थापित किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड में बर्फ से ढके पहाड़ों का प्रदर्शन; बेमौसम बारिश ने दक्षिण भारत में दूसरे सप्ताह के लिए दी दस्तक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर , भारत मौसम विज्ञान विभाग का पूर्वानुमान है कि 15 से 21 अक्टूबर के बीच मध्य भारत में सामान्य से कम बारिश होगी। हालांकि, दक्षिणी भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। जबकि दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में पिछले सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है, देश के उत्तरी हिस्से में बर्फबारी शुरू हो गई है और बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों के दृश्य चक्कर लगा रहे हैं। दिल्ली, एनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में सर्दियां आ रही हैं और बेमौसम बारिश से न केवल निवासियों को राहत मिली है, बल्कि क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश से प्रयागराज के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। आईएमडी ने बुधवार को कहा, ₹भारत के बाकी हिस्सों में सामान्य वर्षा गतिविधि।₹ आईएमडी के अनुसार, मध्य और पूर्वी भारत से मानसून की वापसी की पृष्ठभूमि के खिलाफ विकास सामने आया।आईएमडी ने कहा, ₹परिणामस्वरूप, सप्ताह के अधिकांश दिनों में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में व्यापक और भारी वर्षा होने की संभावना है।

उत्तराखंड में बर्फबारी

पिथौरागढ़ जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी के बाद का खूबसूरत नजारा सामने आया है। वे चीन सीमा से सटे 17000 की ऊंचाई पर स्थित लास्ट पोस्ट क्लेम पर पकड़े गए हैं। हाल ही में चीन की सीमा से लगे जिले के दारमा और व्यास घाटी में 3 से 5 फीट बर्फ गिरी है। इससे इन इलाकों में तापमान माइनस 8 डिग्री तक लुढ़क गया।

उत्तराखंड की विधानसभाओं के लिए आम आदमी पार्टी ने किए प्रभारी घोषित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। आम आदमी पार्टी ने उत्तराखंड में 57 विधानसभाओं के प्रभारी घोषित किए। प्रदेश कार्यालय से प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि उत्तराखंड में निकाय चुनाव में विधानसभा स्तर ,सेक्टर, बूथ कमेटियां, मतदान केंद्र की कमेटियों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए विधानसभा प्रभारी घोषित किए गए हैं।

इसके साथ ही पार्टी ने सभी प्रभारियों से अपेक्षा की है कि वह पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे । इस दौरान प्रदेश प्रभारी आप दिनेश मोहनिया ने कहा कि अगले वर्ष नगर निकाय के प्रत्याशित चुनाव में आम आदमी पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने जा रही है । उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 8 वर्षों में जोड़-तोड़ की राजनीति कर लोकतंत्र की हत्या की है अब जनता यह समझ रही है कि आम आदमी पार्टी ही काम की राजनीति कर सकती है । उन्होंने हरिद्वार पंचायत चुनाव का ताजा उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी ने बाहुबल एवं खरीद-फरोख्त की नीति से पंचायत चुनाव में तीसरे नंबर में रहने के बावजूद लोकतंत्र का गला घोटते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष की दावेदारी की है उसे पूरे उत्तराखंड में जनता में आक्रोश है इसलिए जनता इस बार काम करने वाली पार्टी को निकाय चुनाव में जिता कर भेजेगी । साथ ही उन्होंने स्वच्छ राजनीति के इच्छुक व्यक्तियों को पार्टी से जुड़ने का आह्वान भी किया ।

आपका लज़ीज़ पराठा GST के तड़के से हुआ कड़वा, ये है खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 14 अक्टूबर । अगर आप स्वाद लेने के शौकीन है तो ज़रा सतर्क हो जाइये .... मंहगाई आपके लज़्ज़त को खट्टा कर सकती है। पंजाब और दिल्ली के पराठे का तो हर शख्स दीवाना होता है लेकिन अब जो खबर हम आपको बताने जा रहे हैं वो आपको अलर्ट करने वाली है। यदि आप पराठा खाना चाहते हैं तो आपको घर के बाहर 5 या 10 नहीं 18 फीसदी जीएसटी चुकाना पड़ेगा, लेकिन चपाती खाना चाहते हैं तो वह सस्ती पड़ेगी। चपाती पर पांच फीसदी ही टैक्स लगेगा।

देश में एक समान वस्तु व सेवा शुल्क जीएसटी (GST) प्रणाली लागू हुए इस साल जुलाई में पांच साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन इसकी पेचीदगियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। जीएसटी के अमल व अधिसूचनाओं को लेकर आए दिन विवाद सामने आते रहते हैं। ऐसा ही मामला रोटी व पराठे पर अलग-अलग जीएसटी दरों का है।

यदि आप पराठा खाना चाहते हैं तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी चुकाना पड़ेगा, वहीं रोटी खाना चाहते हैं तो 5 फीसदी। फ्रोजन रोटी-पराठे पर जीएसटी को लेकर पहले भी सवाल उठे हैं। इस उद्योग से जुड़ी कंपनियों का कहना है कि दोनों को बनाने की मूल सामग्री चूंकि गेहूं का आटा है, इसलिए इस पर समान जीएसटी लागू होना चाहिए। वाडीलाल इंडस्ट्रीज का कहना था कि वह 8 तरह के पराठे बनाती है। इसमें मुख्यतः आटे का ही इस्तेमाल होता है। मालाबार पराठे में आटे की मात्रा 62 फीसदी और मिक्स्ड वेजिटेबल पराठे में 36 फीसदी होती है।

लेकिन गुजरात जीएसटी प्राधिकरण ने कहा कि रोटी रेडी टू ईट है, जबकि कंपनी का पराठा रेडी टू कुक है। कर प्राधिकारियों का साफ कहना है कि पराठा रोटी से पूरी तरह अलग है। रोटी या चपाती को आप बगैर मक्खन या घी लगाए भी खा सकते हैं, लेकिन पराठा इनके बगैर नहीं बनता, चूंकि घी चुपड़ी रोटी या पराठा एक तरह से विलासिता की श्रेणी में आते हैं, इसलिए इन पर 18 फीसदी की दर से कर वसूलना लाजमी है।

अद्भुत और शानदार है वंदे भारत ट्रेन का सफर, लीजिये पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 14 अक्टूबर। पीएम नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री ने हिमाचल के ऊना में आज जिस वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई वह पहले संचालित की गई तीन ट्रेनों की तुलना में उन्नत संस्करण है। ट्रेन का तकनीकी पक्ष देखें तो भार के मामले में इसकी बॉडी का वजन बहुत हल्का है और अत्याधुनिक तकनीक के कारण ट्रेन काफी कम समय में तेज गति से भागने लगती है। अब तक शुरू हुई चार वंदे भारत एक्सप्रेस में कौन सी सुविधाएं मिलती हैं। हाई स्पीड के अलावा क्या स्पेशल है वंदे भारत ट्रेन में जिसके कारण अधिक किराया देकर भी यात्री वंदे भारत से यात्रा करना चाहते हैं। किन शहरों को जोड़ती है Vande Bharat Express, जानिए, ऐसे तमाम सवालों के जवाब

दिल्ली से हिमाचल जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बुधवार छोड़कर हफ्ते में छह दिन चलेगी। अंबाला, चंडीगढ़, आनंदपुर साहिब और ऊना में स्टॉपेज फिक्स किया गया है। अत्याधुनिक Vande Bharat Express सेमी हाई स्पीड ट्रेन है, तकनीक का कमाल ऐसा कि महज 52 सेकेंड में यह ट्रेन 100 किमी प्रति घंटे की तूफानी रफ्तार से भागने लगती है।अधिकतम 180 किमी प्रति घंटे की स्पीड क्षमता वाली वंदे भारत एक्सप्रेस भारतीय रेलवे ट्रैक पर 130 किमी की रफ्तार से दौड़ चुकी है। अभी ट्रैक इससे अधिक तेज रफ्तार की गाड़ियों के अनुकूल नहीं हैं।

भारतीय रेलवे वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में कई अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया करा रही है। ट्रेन में आपात स्थिति के मामले में यात्रियों को आसानी से निकालने के लिए चार आपातकालीन खिड़कियां लगाई गई हैं। जलवायु नियंत्रण, सेट पर सभी विद्युत और महत्वपूर्ण प्रणालियों की निगरानी जैसे काम के लिए केंद्रीकृत कोच निगरानी प्रणाली भी वंदे भारत एक्सप्रेस में मौजूद है।

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों के हर एक कोच में चार आपातकालीन लाइटें भी लगाई गई हैं। आपदा के दौरान सामान्य रोशनी के अभाव में इमरजेंसी लाइट यूज की जा सकती है। इमरजेंसी बटन की संख्या भी बढ़ाकर चार की गई है। बारिश के दौरान ट्रेनों और यात्रियों की सुरक्षा के लिए बने अंडरफ्रेम उपकरणों को अपग्रेड किया गया है। यह सिस्टम तैयार होने से बारिश और बाढ़ के पानी रेलवे ट्रैक पर जमा होने पर भी ट्रेनों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। वंदे भारत एक्सप्रेस फायर सर्वाइवल केबल इनडोर सर्किट से भी लैस हैं। इसके अलावा एसी बोगियों में बिजली कटने पर वेंटिलेशन की उपलब्धता के साथ छत से आने वाली प्यूरीफाई हवा सिस्टम भी तैयार किया गया है।

Vande Bharat Express पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से निर्मित Vande Bharat Express में एक ट्रिप में 1,128 यात्री सफर कर सकते हैं। इसमें 16 कोच हैं। दो उच्च श्रेणी के डिब्बे भी लगाए गए हैं। इन दोनों में 52-52 सीटें होंगी। एक सामान्य कोच में 78 सीटों का बंदोबस्त है। ट्रेन में जीपीएस, स्वचालित दरवाजे, वाईफाई, एसी, पर्सनल चार्जिंग सॉकेट और सीसीटीवी सहित कई अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। मेट्रो ट्रेनों के समान स्वचालित दरवाजों वाली वंदे भारत ट्रेन भारत की पहली बिना इंजन वाली ट्रेन है। यानी ट्रेन एकीकृत इंजन के साथ बनाई गई है, जैसे मेट्रो या बुलेट ट्रेन में होता है।

बेदखली का सामना कर रहे बैरागी कैंप के निवासियों को नैनीताल एचसी से राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर , हाई कोर्ट का एक आदेश बैरागी कैंप के सैकड़ों निवासियों को राहत देने वाला आया है, जो विध्वंस की धमकी का सामना कर रहे थे। सैकड़ों बीघा में फैला यह क्षेत्र नील धारा और ऊपरी गंगा नहर के बीच स्थित है, जो हरिद्वार के एक इलाके कनखल से होकर बहती है।यह कथित रूप से कुंभ मेला भूमि का हिस्सा है, जिस पर 600 से अधिक लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है, जिसमें लगभग 75 द्रष्टा ज्यादातर जूना अखाड़े से संबंधित हैं।क्षेत्र के निवासियों ने दावा किया, ₹हमारे कब्जे में भूमि कभी भी मेला भूमि का हिस्सा नहीं रही है।

हमने इसे इसके निजी मालिकों से खरीदा है।₹ जूना अखाड़े के साधु धीरेंद्र पुरी, जो इलाके में एक आश्रम के मालिक हैं, ने भी इसी तरह के दावे किए। उन्होंने इस आरोप को खारिज कर दिया कि कई अन्य संतों की तरह, उन्होंने अस्थायी उपयोग के लिए कुंभ मेले के दौरान उन्हें आवंटित भूमि पर आश्रम बनाया था। उच्च न्यायालय का आदेश निवासियों द्वारा दायर एक रिकॉल आवेदन में दिया गया था जिसमें अदालत से अपने 8 जून, 2022 के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया था, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट को ₹जिले में कुंभ मेला क्षेत्र से सभी अतिक्रमणों को हटाने का निर्देश दिया गया था। बैरागी कैंप, कनखल में स्थित सरकारी जमीन। रिकॉल अर्जी का निपटारा करते हुए कोर्ट ने 23 सितंबर 2022 को अपने पहले के आदेश में बदलाव किया। इसने निर्देश दिया कि ₹जिला मजिस्ट्रेट, हरिद्वार, हमारे आदेश का पालन करते हुए, उचित व्याख्या देंगे और 2018 और 2016 में उत्तराखंड विधानसभा द्वारा अधिनियमित अधिनियमों के प्रावधानों को लागू करेंगे₹ ।अदालत ने निर्देश दिया कि ₹कोई भी निष्कासन करने से पहले, हस्तक्षेप करने वाले आवेदक को सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिया जाएगा।

नौकरी घोटाला में वृद्धि को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निकाली अहम जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर । इंटरनेट पर नौकरी की खोज में वृद्धि के साथ, भारत ने एक साथ घोटालों में वृद्धि देखी है। नौकरी चाहने वालों को लक्षित करते हुए कई स्कैमर्स जॉब बोर्ड पर सक्रिय हो गए हैं, जो कमजोर और काम के लिए उतावले हैं। फर्जी जॉब अलर्ट की समस्या को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार ने यह पहचानने के लिए कुछ जानकारी साझा की है कि नौकरी की पेशकश 'असली' है या 'नकली'।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने फर्जी ऑनलाइन नौकरी की पेशकश का पता लगाने के लिए 5 तरीके सूचीबद्ध किए हैं:

1. यदि आपको नियोक्ता के साथ प्रारंभिक बातचीत के तुरंत बाद नियुक्ति पत्र मिलता है तो यह नौकरी में धोखाधड़ी का संकेत हो सकता है।

2. नियुक्ति या प्रस्ताव पत्र में एक अस्पष्ट नौकरी की आवश्यकता / नौकरी का विवरण एक और लाल झंडा है।

3. ईमेल की भाषा पर ध्यान दें। अगर गैर-पेशेवर लिखा गया है तो यह एक घोटाला हो सकता है।

4. यदि कोई नियोक्ता जॉब इंटरव्यू के दौरान गोपनीय जानकारी मांगता है। इस तरह के विवरण साझा न करें।

5. अगर आपको अपने जॉब ऑफर के लिए पैसे देने के लिए कहा जाता है तो यह एक घोटाला भी हो सकता है।

विदेश मंत्रालय
MINISTRY OF
EXTERNAL AFFAIRS
सत्यमेव जयते

सरकार के मुताबिक अगर कोई साइबर क्राइम का शिकार होता है तो वह साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है.

इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन कारों को प्रोत्साहन देगा पर्यटन विभाग : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। विभागीय अधिकारी विकास कार्यों को जनपदवार अपडेट करें। पेट्रोल और डीजल की बचत के साथ-साथ प्रदूषण से निजात पाने के लिए इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन कारों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रस्ताव तैयार करें। ये निर्देश पर्यटन विकास परिषद गढ़ी कैंट में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में बुद्धवार को अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, सिंचाई, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कही। उन्होने कहा कि लोक निर्माण विभाग के सभी जीर्ण-क्षीर्ण निरीक्षण भवनों को विभाग लीज पर देने के साथ-साथ गेस्ट हाउसों और अनुपयोगी पुलों को पर्यटन की दृष्टि से संवारने के लिए पर्यटन विभाग को एनओसी जारी कर उन्हे पर्यटन विभाग के सुपुर्द किया जाए।लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि सड़कों के निर्माण में प्रथम के पश्चात द्वितीय, तृतीय सभी प्रकार के चरणों की स्वीकृति को अब द्वितीय चरण के तहत मर्ज कर दिया गया है, इससे सड़कों के निर्माण में तेजी आएगी। मंत्री महाराज ने कहा लोनिवि अधिकारियों से कहा कि विभाग डंपिंग जोन को यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से विकसित करे। उन्होंने लोक निर्माण विभाग अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के दोनों ओर 100 मीटर तक कमर्शियल क्षेत्र घोषित किया जाए जिससे स्थानीय लोग अपना छोटा मोटा व्यवसाय कर सकें।बैठक में लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव विनित कुमार, प्रमुख अभियंता अयाज अहमद, एन. एच. चीफ प्रमोद कुमार, चीफ इंजीनियर पौड़ी दयानंद, एस.ई पौडी पी.एस. बृजवाल सहित अनेक विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जानिए किस विश्व रिकॉर्ड की तैयारी में हैं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। सर्दियों के दौरान भी उत्तराखण्ड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए साल 2014 में शीतकालीन चारधाम यात्रा की शुरूआत की गई थी। ऐसे में इस बार भी शीतकालीन यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों व श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं आसानी से मिल सके इसके लिए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस को पर्यटकों के लिए विकसित करने के निर्देश दिए। गढ़ी कैंट स्थित उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के सभागार में समीक्षा बैठक लेते हुए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के बाद शीतकालीन प्रवास मुखबा, यमुनोत्री के खरसाली, केदारनाथ के ऊखीमठ और बदरीनाथ धाम के जोशीमठ व पांडुकेश्वर रहते हैं। ऐसे में सरकार का फोकस इन शीतकालीन प्रवासों में भी पर्यटन को बढ़ावा देना है। इसके लिए चारधाम के शीतकालीन प्रवासों में तीर्थयात्रियों व श्रद्धालुओं के लिए सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रियों की रिकॉर्ड संख्या के दृष्टिगत लिम्का रिकॉर्ड गिनीज बुक में दर्ज कराने की स्थिति की भी जानकारी ली। गौरतलब है कि इस बार दो साल बाद बिना बंदिशों के शुरू हुई चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धाओं ने चारधाम व हेमकुंड साहिब के दर्शन किए। पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि अभी तक चारधाम यात्रा में करीब 42 लाख तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। कपाट बंद होने तक यह संख्या करीब 45 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में इस साल चारधाम यात्रा में आए रिकोर्ड तोड़ तीर्थयात्रियों से बीते दो साल में चारधाम यात्रा से जुड़े कारोबारियों के नुकसान की भरपाई हो पाई है। अधिकारियों को निर्देश देते हुए पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा को क्षमता के अनुसार संचालित करने के लिए एक तीर्थयात्री को साल में एक बार ही चारधाम जाने की अनुमति दी जाए। इसके लिए चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण की सुविधा को आधार कार्ड से जोड़ा जाए। इसके अलावा पर्यटक आवास गृहों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने के साथ प्रदेश भर के होटलों को श्रेणीबद्ध किया जाए। जिससे पर्यटक अपने अनुसार होटलों का चयन कर सकें। साथ ही बाबा अमरनाथ की तर्ज पर देश-दुनिया के तीर्थ यात्री उत्तराखण्ड की नीती घाटी में टिंबरसैंण महादेव की यात्रा कर सकेंगे इसके लिए प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए।पर्यटन मंत्री महाराज ने बताया कि सोनप्रयाग से केदारनाथ तक बनने वाले 9.7 किलोमीटर लंबे रोपवे का प्रारंभिक सर्वे पूरा कर लिया गया है, जल्द ही इस पर कार्य शुरू किया जाएगा। रोपवे बनने से तीर्थयात्री 25 किलोमीटर में यह यात्रा पूरी कर पाएंगे। रोपवे के चार स्टेशन गौरीकुंड, चीरबासा, लिन्चोली और अंतिम स्टेशन केदारनाथ में होगा।इसके अलावा पर्यटन मंत्री महाराज ने रुद्रप्रयाग जिले में स्थित शिव और पार्वती का विवाह स्थल त्रियुगीनारायण मंदिर को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकासित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। साथ ही कार्तिक स्वामी समेत प्रदेश के ऐसे अन्य डेस्टिनेशन को भी विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि गुरु गोरखनाथ ट्रेक के साथ ट्रेक में पड़ने वाले मंदिरों का भी सर्किट विकसित किया जाए। बैठक में सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे, यूटीडीबी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक विंग) कर्नल अश्विनी पुण्डीर, प्रचार निदेशक सुमित पंत, निदेशक अवस्थापना ले. कर्नल दीपक खंडूरी, अपर निदेशक पूनम चंद, वरिष्ठ शोध अधिकारी एसएस सामन्त, उप निदेशक योगेंद्र कुमार गंगवार समेत विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

- पर्यटन मंत्री ने ली शीतकालीन चारधाम यात्रा के लिए की गई तैयारियों की जानकारी
- पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने ली पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक

पर्यटन मंत्री ने पर्यटन विभाग की सराहना : उत्तराखंड को केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा दिए गए बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन और पर्यटन के सर्वांगीण विकास के लिए प्रथम पुरस्कार मिलने पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सचिव पर्यटन समेत पर्यटन विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए पर्यटन कारोबारियों से जुड़े हर एक व्यक्ति ने सहयोग दिया है। ऐसे में पर्यटन विभाग पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों के साथ सम्मेलन कर प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा देने

उत्तराखंड में फिर धोखाधड़ी का मामला, नौकरी दिलाने के नाम ठगे 160,000

उत्तराखंड में धीरे-धीरे धोखाधोखाधड़ी के मामले बढ़ते ही जा रहे है। एक नया मामला सामने आया है। ये मामला हरिद्वार का है। बता दे सिडकुल थाना क्षेत्र के एक युवक को नौकरी लगवाने का झांसा देकर ऋषिकेश के एक व्यक्ति ने लाखों रुपए हड़प लिए. वहीं पीड़ित का आरोप है कि पैसे वापस मांगने पर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है. पीड़ित की शिकायत पर सिडकुल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है.सिडकुल थाना क्षेत्र में सिडकुल स्थित हरिद्वार ग्रीन्स में रहने वाले अभिषेक शर्मा पुत्र रमेश शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ समय पूर्व उनकी जान पहचान प्रदीप उनियाल पुत्र मायाराम उनियाल निवासी पशुलोक ऋषिकेश से हुई थी. अभिषेक को नौकरी की जरूरत थी. लिहाजा प्रदीप ने उसे देहरादून स्थित सचिवालय में आला अधिकारियों से ठीक-ठाक बात होने का झांसा दिया. साथ ही उसने यह भी कहा कि सचिवालय में इन दिनों भर्तियां निकली हुई हैं तो वह कुछ पैसे खर्च करके सचिवालय में नौकरी पा सकता है. आरोपी की बातों में आकर नौकरी के लालच में अभिषेक ने उससे नौकरी लगवाने को कह दिया. जिसके एवज में उसने शुरूआत में 160,000 रुपए की मांग की.अभिषेक ने इस पैसे का इंतजाम इधर-उधर से किया। पैसे देने के 1 साल बाद भी जब काम नहीं हुआ तो अभिषेक ने प्रदीप उनियाल पर नौकरी के लिए आवेदन करने या पैसे वापस करने का दबाव बनाया। पहले तो वह कुछ दिनों तक बहाने बनाता रहा, लेकिन बाद में उसने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया और न ही नौकरी मिली। प्रदीप उनियाल ने अधिक दबाव देकर पैसे मांगे तो जान से मारने की धमकी देने लगा। एसएचओ सिदकुल प्रमोद उनियाल ने बताया कि अभिषेक शर्मा की तहरीर के आधार पर आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. मामले की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

12 नवंबर से दून में होगा वैली ऑफ वर्ड्स का छठा संस्करण : अभिनव कुमार, विशेष प्रमुख सचिव सूचना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। आगामी 12-13 नवंबर को देहरादून में वैली ऑफ वर्ड्स का छठा संस्करण आयोजित किया जाएगा। यह पहला अवसर है जब उत्तराखंड सरकार के सूचना एवं संस्कृति विभाग भी इस आयोजन में सहयोगी होंगे। वैली ऑफ वर्ड्स में इस बार 100 लेखक, 40 सेशन और 10 किताबों का विमोचन आकर्षण होगा।

विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार एवं सेवानिवृत्त आईएएस संजीव चोपड़ा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैली ऑफ वर्ड्स का शुभारंभ उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह करेंगे जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहेंगे। 13 नवंबर को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने बताया कि बीते 5 वर्षों से लगातार यह आयोजन देहरादून में हो रहा है। इस बार मुख्यमंत्री की सहमति के बाद उत्तराखंड सरकार भी इसमें भागीदार है। उन्होंने कहा कि वैली ऑफ वर्ड्स के दौरान उत्तराखंड की फिल्म नीति को लेकर भी चर्चा होगी। वर्तमान में इस नीति को लेकर सुझाव आमंत्रित किये गए हैं। विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने कहा कि एक दो माह के अंदर फिल्म नीति को फाइनल कर लिया जाएगा। अभी तक आउटडोर शूटिंग पर ही फोकस होता था लेकिन अब प्रयास है कि फिल्म से जुड़ा हर पहलू मसलन लेखन, फोटोग्राफी, सिनेमेटोग्राफी इत्यादि यहीं पर हो।वैली ऑफ वर्ड्स के दौरान विभिन्न गतिविधियां जैसे नृत्य प्रस्तुति, मंत्रणा कार्यक्रम भी होंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा पूरा प्रयास है कि देहरादून के वैली ऑफ वर्ड्स को जल्द से जल्द देश के सर्वश्रेष्ठ लिटरेचर फेस्टिवल के तौर पर पहचान मिले। इसके अलावा इस कार्यक्रम के दौरान रूसी एवं इसरायली किताबों पर भी चर्चा की जाएगी।

16 अक्टूबर से लागू होगी नई शिक्षा नीति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। उत्तराखंड में उच्च शिक्षा के तहत 16 अक्तूबर से नई शिक्षा नीति लागू होगी। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के अनुसार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इसकी शुरूआत करेंगे।

उच्च शिक्षा में एनईपी लागू करने के लिए विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।इसके लागू होने से जहां छात्र-छात्राओं को च्वाइस बेस्ड रोजगारपरक शिक्षा मिल सकेगी, वहीं शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिलेंगे। उच्च शिक्षा मंत्री के मुताबिक केंद्रीय शिक्षा मंत्री पहले उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बीजापुर अतिथि गृह में सुबह 9:30 बजे से बैठक लेंगे।इसके बाद सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति-2020 की शुरूआत होगी।

एनईपी को लागू करने के बाद केन्द्रीय मंत्री बीएचईएल हरिद्वार स्थित राजकीय इंटर कॉलेज जाएंगे।जो कालेज में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक प्रदीप नेगी के अध्यापन कार्यों का अवलोकन करेंगे। दोपहर बाद केन्द्रीय शिक्षा मंत्री पतंजलि योगपीठ हरिद्वार स्थित आचार्यकुलम के वार्षिक समारोह में शामिल होंगे। देर शाम हरिद्वार से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

बहादरपुर जट में बनेगा नवीन राजकीय महाविद्यालय : स्वामी यतिस्वरानंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 14 अक्टूबर। मुख्यमंत्री उत्तराखंड की घोषणा मुताबिक हरिद्वार के विधानसभा क्षेत्र हरिद्वार ग्रामीण के बहादुरपुर जट में नवीन राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना की जाएगी के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। स्वामी यतिस्वरानंद ने बताया कि पिछले वर्ष माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत हरिद्वार जनपद के विधानसभा क्षेत्र हरिद्वार ग्रामीण में बहादरपुर जट में 1 डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए घोषणा की गई थी जिसके लिए वर्तमान में यह नवीन राजकीय महाविद्यालय के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है व दीपावली के बाद इसी सत्र से अस्थाई शिक्षण कार्य भी शुरू करना है जिसके लिए प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार को शासन स्तर से तथा निदेशालय स्तर से नोडल अधिकारी नियुक्त कराया है है ताकि उक्त कार्य जल्दी संपन्न कराकर के अस्थाई व्यवस्था की जा सके और शिक्षण कार्य इसी सत्र से शुरू किया जा सके , बहादराबाद ब्लॉक के अंदर यह दूसरा महाविद्यालय है। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत प्रत्येक ब्लॉक में एक नवीन राजकीय महाविद्यालय होना चाहिए उसी के तहत उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में दो नवीन महाविद्यालय बना दिए हैं एक मीठी बेरी में चल रहा है जिसका निर्माण कार्य लगभग हो चुका है और दूसरा इसी सत्र से बहादरपुर जट में चलाया जाएगा इस कार्य के लिए पूर्व मंत्री ने जिलाधिकारी हरिद्वार को पत्र लिखा है कि नवीन महाविद्यालय की भूमि चयनित/ हस्तांतरित किए जाने के संबंध में तथा इसी सत्र से शिक्षण कार्य शुरू करने हेतु अस्थाई व्यवस्था कराने हेतु अपने अधीनस्थ अधिकारी को निर्देशित करें ताकि यह कार्य अति शीघ्र शुरू किया जा सके।

गृह प्रवेश : नए घर में प्रवेश से पहले जानें क्या कहता है ज्योतिष शास्त्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर , जीवन की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण चीजों में से एक है अपने लिए घर बनाना। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नए घर में प्रवेश से पहले गृह प्रवेश की पूजा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। बिना इसके नए घर में रहना नहीं शुरु करना चाहिए।नए घर में पूजा-अर्चना कर प्रवेश करना शुभ माना जाता है। हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार नए घर में प्रवेश करने के लिए पूजा की जाती है, जिसे गृह प्रवेश कहा जाता है। ऐसा घर में सभी बुरी शक्तियों को नष्ट करने के लिए किया जाता है। गृह प्रवेश को लेकर शास्त्रों में कई नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करने से हमें (गृह प्रवेश नियम) लाभ मिल सकता है। इसके बारे में क्या नियम हैं? आइए जानें ज्योतिषी से - ज्योतिष के अनुसार गृह प्रवेश तीन प्रकार का होता है। अपूर्व गृह प्रवेश का अर्थ है पहली बार घर में प्रवेश करना और द्वितीय गृह प्रवेश का मतलब व्यक्ति पुराने खरीदे हुए घर में फिर से प्रवेश करता है। वहीं तीसरे घर में प्रवेश, इसमें गृह प्रवेश उस घर में किया जाता है जिसका पुनर्निर्माण किया गया हो।

नए घर में प्रवेश कैसे करें?

1. घर में प्रवेश करते समय गणपति की स्थापना और वास्तु पूजा अवश्य करनी चाहिए।

2. पहली बार घर में प्रवेश करते समय दाहिना पैर आगे की ओर रखें। उस रात गृह प्रवेश पूजा के बाद परिवार के सदस्यों को उसी घर में सोना चाहिए।

3. वास्तु पूजा के बाद घर के मालिक को पूरे भवन का चक्कर लगाना चाहिए।

4. स्त्री को जल से भरा कलश लेकर पूरे घर में घूमना चाहिए और हर जगह फूल लगाना चाहिए।

5. गृह प्रवेश के दिन जल या दूध से भरा कलश रखें और अगले दिन मंदिर में चढ़ाएं।

6. गृह प्रवेश के दिन घर में दूध उबालना शुभ होता है।

7. घर में प्रवेश करने के बाद 40 दिन तक घर को खाली नहीं छोड़ना चाहिए। उस घर में किसी भी एक सदस्य का होना बहुत जरूरी है।

संपादकीय

चिंताजनक मुद्रास्फीति

लगातार नौ महीनों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत की अधिकतम निर्धारित सीमा से ऊपर है. सितंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 7.41 प्रतिशत रही, जो पांच महीने में सर्वाधिक है. उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में यह दर मात्र 4.35 प्रतिशत थी. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इसका मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की महंगाई है. सितंबर में इन वस्तुओं की मुद्रास्फीति 8.60 प्रतिशत रही. यह 22 महीनों में सबसे अधिक है. मुद्रास्फीति की दर अनाज में 11.53, दुग्ध उत्पादों में 7.13, सब्जियों में 18.05 और मसालों में 16.88 प्रतिशत रही है. ईंधन व बिजली श्रेणी में भी यह दर 10 प्रतिशत से अधिक रही. इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि पारिवारिक खर्च बढ़ता जा रहा है. ऐसे अनेक अध्ययन सामने आ चुके हैं कि मुद्रास्फीति के कारण लोगों, विशेष रूप से गरीब और निम्न आय वर्ग, को अपने आवश्यक उपभोग व व्यय में कटौती करनी पड़ रही है. कुछ राहत दाल की मुद्रास्फीति दर के केवल 3.05 प्रतिशत रहने से है, पर इसके दाम पहले ही बढ़ चुके हैं. खाद्य पदार्थों की महंगाई की एक बड़ी वजह यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर आपूर्ति बाधित हुई है. मानसून के आखिरी चरण में देश के कई हिस्सों में लगातार भारी बारिश ने सब्जियों के उत्पादन और वितरण पर असर डाला है, जिससे उनके दाम बहुत अधिक बढ़े हैं. रिजर्व बैंक ने दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों की तरह मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है और दिसंबर में फिर वृद्धि का अनुमान है. इस साल के शुरू में तापमान बढ़ने से रबी फसलों का उत्पादन प्रभावित हुआ था, फिर कमजोर मानसून के कारण खरीफ की बुवाई कम हुई. उसके बाद सितंबर-अक्तूबर की बारिश ने खेती का नुकसान किया है. ऐसे में आगे भी अनाज के महंगे होने की आशंका है. रिजर्व बैंक का एक मुख्य कार्य मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के आसपास रखना है, जिसमें विशेष परिस्थितियों में दो प्रतिशत ऊपर या नीचे होने की गुंजाइश है. भारतीय रिजर्व बैंक कानून के प्रावधान के अनुसार दो से छह प्रतिशत के बीच मुद्रास्फीति नहीं रख पाने पर रिजर्व बैंक को केंद्र सरकार के समक्ष स्पष्टीकरण देना होता है. तीन साल से मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से ऊपर है तथा नौ महीने से यह छह प्रतिशत से भी अधिक है. अनेक विशेषज्ञ इसे रिजर्व बैंक की असफलता मानते हैं, तो कई जानकार विभिन्न कारकों को दोष देते हैं. दो साल से अधिक समय तक कोरोना महामारी की भयानक छाया भी अर्थव्यवस्था पर रही है. आशा है कि केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक की आगामी बैठक में समाधान के लिए ठोस उपायों पर चर्चा होगी.

मॉस्को-दिल्ली फ्लाइट में बम की आशंका फर्जी निकली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर , मॉस्को से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर रात दिल्ली जा रहे एक विमान में बम की धमकी भरा ईमेल मिला जिसका बाद पिलोके विभाग में हड़कंप मच गया। दिल्ली पुलिस को फ्लाइट में बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने जांच शुरू की थी।दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने कहा ने कहा, कि बोइंग 777 विमान की लैंडिंग के लिए पूर्ण आपातकाल की घोषणा की गई थी, जिसका संचालन रूसी वा-हक एअरोफ़्लोत द्वारा किया जा रहा था।पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के यहां अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीआईएसएफ को मास्को से आ रहे एक विमान में बम विस्फोट की धमकी मिली। पुलिस के अनुसार, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) को फ्लाइट में बम होने की ई-मेल चेतावनी मिली थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान तड़के तीन से चार बजे के बीच दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरा और उसके 386 यात्रियों और चालक दल के 14 सदस्यों को तुरंत सुरक्षित निकाल लिया गया। उड़ान की जांच की गई और अब तक कुछ भी नहीं मिला है, अधिकारी ने कहा, विमान को अलग कर दिया गया है।पिछले कुछ हफ्तों में उड़ानों पर कथित बम की धमकी की कम से कम दो घटनाएं हुई हैं।

ज्ञान की बात : क्या आपको पता है नोकिया का पहला उत्पाद 'टॉयलेट पेपर' था ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 अक्टूबर । नोकिया हमेशा हाई-टेक में नहीं था, वास्तव में, 40 वर्षों में, मोबाइल फोन कंपनी नोकिया टॉयलेट पेपर के निर्माता से वैश्विक दूरसंचार की दुनिया में एक नेता के रूप में चली गई है। नोकिया की स्थापना 1865 में दक्षिणी फिनलैंड में लुगदी कंपनी के रूप में हुई थी। नोकिया कभी टॉयलेट पेपर का निर्माता था !कंपनी ने बिजली उत्पादन और टेलीफोन निर्माण जैसे उभरते उद्योगों में विस्तार किया। 1960 के दशक में नोकिया को टॉयलेट पेपर बनाने के लिए जाना जाता था। लेकिन 1980 के दशक के अंत में, नोकिया ने दूरसंचार की ओर रुख किया2000 के दशक तक, कंपनी इतनी शक्तिशाली थी कि यह अपने गृह देश फिनलैंड में अर्थव्यवस्था पर हावी थी। उस समय, नोकिया की शुद्ध बिक्री का मूल्य फिनिश सरकार के वार्षिक बजट के बराबर था।

अपने चरम पर, नोकिया हेलसिंकी स्टॉक एक्सचेंज के मूल्य का लगभग 60% था।हम सभी नोकिया कंपनी को जानते हैं, खासकर 3310 के लिए। दरअसल, नोकिया मोबाइल फोन के निर्माण के माध्यम से जाना जाने लगा। इसके अतिरिक्त, नोकिया कारों में पहले फोन के पीछे है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि टेलीफोनी में अग्रणी बनने से पहले नोकिया ने टॉयलेट पेपर बेचा था।नोकिया की स्थापना 1865 में हुई थी। उस समय फिनिश इंजीनियर फ्रेड्रिक इडेस्टम ने टाम्परे में अपनी पहली पेपर मिल बनाई थी। तीन साल बाद, संपन्न छोटा व्यवसाय नोकिया में चला गया, इसलिए फर्म का नाम नोकियन वार्ता नदी के तट पर पड़ा। टॉयलेट पेपर का निर्माण, लेकिन विद्युत ऊर्जा भी फिनिश कंपनी की विशेषज्ञता के दो मुख्य क्षेत्र बन गए हैं।फिर, 1918 में, नोकिया और फ़िनिश रबर कंपनी एक साथ आए, और इसलिए टायर और बूट का उत्पादन शुरू किया। इसके बाद के वर्षों में, फिनिश कंपनी का विकास हुआ। दरअसल, सुओमेन कैपेलिटेहदास ओए (केबल कंपनी) के अधिग्रहण के लिए धन्यवाद, नोकिया अब अपने द्वारा उत्पादित बिजली का परिवहन कर सकता है। नोकिया का कारोबार बढ़ता रहेगा। कंपनी 90 के दशक में टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित हर चीज पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने से पहले टेलीविजन, माइक्रो कंप्यूटर आदि में लॉन्च करेगी।इसलिए इस सटीक क्षण में ब्रांड आगे बढ़ेगा। दरअसल, नोकिया कार फोन का आविष्कारक है, लेकिन 3210 और 3310 जैसे फ्लैगशिप फोन का निर्माता भी है। नोकिया तब तक मोबाइल टेलीफोनी में विश्व में अग्रणी बन जाता है, जब तक कि पहला आईफोन नहीं आ जाता। नोकिया ने माइक्रोसॉफ्ट को अपने टेलीफोनी डिवीजन को बेचने से पहले, स्मार्टफोन तकनीक की ओर रुख नहीं करने और ₹कम लागत₹ वाले टेलीफोन का उत्पादन जारी रखने का विकल्प चुना।आज, नोकिया ने मुख्य रूप से दूरसंचार अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित किया है, और यहां तक कि 66 दूरसंचार ऑपरेटरों के साथ 5G के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने चंद्रमा पर सेलुलर नेटवर्क के विकास के लिए नासा के साथ एक अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

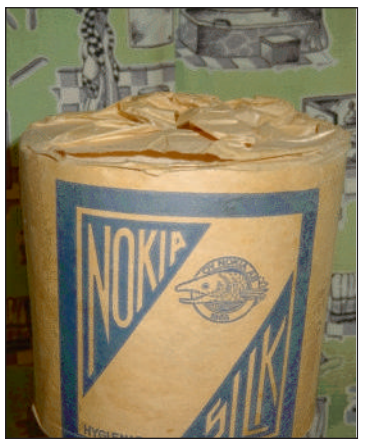

विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के छठवें दिन 'विरासत साधना'

कार्यक्रम के अंतर्गत आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप का आयोजन किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के छठवें दिन की शुरुआत 'विरासत साधना' कार्यक्रम के साथ हुआ। 'विरासत साधना' कार्यक्रम के अंतर्गत आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें देहरादून के कई फाउंडेशन एवं विद्यालय के बच्चो ने प्रतिभाग लिया। इसमें 5 अलग अलग तरह की आर्ट वर्कशॉप का आयोजन करवाया गया। जिसके अंतर्गत मधुबनी आर्ट, क्ले मॉडलिंग, रांगोली मेकिंग, चॉकलेट मेकिंग, एपन जैसी वर्कशॉप आयोजित कि गई।

लतिका ग्रुप फाउंडेशन के 11 विशेष अक्षम बच्चो ने मधुबनी चित्रकारी की वर्कशॉप में भाग लिया जिसे डॉ प्रसून्न कुमार के नेतृत्व में करवाया गया, जिसमे उन्होंने मोर और मछली की आकृति को मिलाकर इक सुंदर आकृति बच्चो को सिखाई। आर्मी पब्लिक स्कूल (क्लीमेन टाउन) के 20 बच्चो ने क्ले मॉडलिंग में भाग लिया जिसमें उनको क्ले से कछुआ बनाना सिखाया जो अदिति एवम अजय द्वारा सिखाया गया। उसके बाद आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चो ने एपेन वर्कशॉप में भी भाग लिया जो बबिता नौटियाल के नृतित्व में संचालित हुआ जिसमे उन्होंने पवित्र चिन्ह के बारे में बच्चो को बताया एवं बनाना भी सिखाया। रफाएल राइडर चेशायर इंटरनेशनल सेंटर के 7 विशेष अक्षम बच्चो ने रंगोली मेकिंग में भाग लिया जिसका नेतृत्व मुकेश कुमार द्वारा किया गया। साथ ही साथ रफाएल के विशेष अक्षम बच्चो ने चॉकलेट मेकिंग में भी भाग लिया, जिसमे उन्होंने अलग अलग स्वाद की चॉकलेट बनाना सीखा और बनने के बाद उन्होंने खुद चख कर अपनी बनाई चॉकलेट का आंकलन किया।सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ एवं शाकिर खान द्वारा शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुवात राग बागेश्वरी से की। पहले उन्होंने अलाप से शुरू किया फिर उसके बाद विलंबित और आखिर में उन्होंने लोकगीत से प्रस्तुति का समापन किया। उनकी संगत में शुभ महाराज (तबला) पर उनकी प्रस्तुति में उनका सगंत दिया।

शाकिर खान ने कहां यह विरासत में उनकी पहली प्रस्तुति है और उनके गुरूओ ने उनहें कहां है कि 'अपनी अच्छे से सीखी हुई कला और संगीत को प्रस्तुति को अच्छे ढंग से मंच पर प्रस्तुत कारना ही सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति होती है।'शाकिर खान महान इटावा घराने के सबसे होनहार युवा प्रतिपादकों में से एक हैं, जो अपने विलक्षण पिता और गुरु - सितार वादक उस्ताद शाहिद परवेज खान के संगीत के नक्शेकदम पर चलते हैं। शाकिर संगीत प्रतिभा, सितार और सुरबहार की परंपरा की अटूट श्रृंखला में आठवीं पीढ़ी की कड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। उनके घराने में उस्ताद अजीज खान साहब, सुरबहारिस्ट उस्ताद वाहिद खान साहब और महान उस्ताद विलायत खान साहब की संगीतमय विरासत शामिल है।ग्यारह साल की कम उम्र में उनका पहला सार्वजनिक प्रस्तुति हुई थी। अपने पिता के संरक्षण में शाकिर धीरे-धीरे अध्ययन, रियाज़ और गायन के माध्यम से परिपक्व हुऐ है और उन्होंने डोवर लेन संगीत सम्मेलन (कोलकाता), सवाई गंधर्व संगीत समारोह पुणे सहित भारत में प्रतिष्ठित संगीत सम्मेलनों के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। सप्तक संगीत समारोह (अहमदाबाद), बॉम्बे फेस्टिवल (मुंबई), तानसेनसंगीत समारोह (ग्वालियर), शंकरलाल संगीत समारोह (दिल्ली) के साथ-साथ उन्होंने अमेरिका, कनाडा और यूरोप सहित दुनिया भर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया है। उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो संगीत प्रतियोगिता में भारत सरकार की योग्यता छात्रवृत्ति और प्रथम पुरस्कार भी जीता है। शाकिर खान सुर (माधुर्य) और लय (लय) की अपनी उत्कृष्ट समझ के लिए बाहर खड़ा है।सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्य प्रस्तुतियों में अश्विनी जी द्वारा राग भूपाली में शास्त्रीय संगीत की शुरुआत प्रस्तिति हुई एवं उसके बोल रूपक ताल वबोस थे "अब मान ले..." इसके बाद मध्य ले, "इतनु जोबन पर मान न करें" उनकी अगली प्रस्तुति राग पराज में एक बंदिश थी, "पवन चलत अली की परकृ" और तराना के साथ द्रुत तीन ताल में समापन हुआ। उनके साथ गायन पर रुतुजा लाड, तबला पर पं मिथिलेश झा और हारमोनियम पर परोमिता मुखर्जी थे। अश्विनी भिड़े मुंबई की एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायिका हैं। वह जयपुर-अतरौली घराने की परंपरा से ताल्लुक रखती हैं।

- विरासत में मधुबनी आर्ट , क्ले मॉडलिंग, रांगोली मेकिंग , चॉकलेट मेकिंग , एपन जैसी वर्कशॉप का अयोजन किया गया
- विरासत में रही शास्त्रीय संगीत कि धुम शाकिर खान और अश्विनी भिड मे अपनी प्रस्तुति से लोगो का दिल जिता

मजबूत संगीत परंपरा वाले परिवार में मुंबई में जन्मी, अश्विनी ने वॉयलिन वादक डीके दातार के बड़े भाई नारायणराव दातार के तहत शास्त्रीय प्रशिक्षण शुरू किया। फिर उन्होंने गंधर्व महाविद्यालय से अपना संगीत विशारद पूरा किया। तब से वह गायसरस्वती किशोरी अमोनकर की शिष्या मां माणिक भिड़े से जयपुर-अतरौली शैली में संगीत सीख रही हैं। उन्होंने माइक्रोबायोलॉजी में मास्टर डिग्री प्राप्त की है और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई से एक संगीत विशारद से जैव रसायन में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। वह मानद डी.लिट की प्राप्तकर्ता भी रही हैं।

तीन दिवसीय गोर्खा दर्शैं-दीपावली महोत्सव 2022 का हुआ आगाज

गोर्खा दर्शैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ गोर्खाली स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद चख रहे है देहरादून के लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 अक्टूबर। तीन दिवसीय गोर्खा दर्शैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले का उद्घाटन महिंद्रा ग्राउंड, गढ़ी कैंट देहरादून में दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप श्री राजेंद्र गिरी, अध्यक्ष भेरी यातायात प्राइवेट लिमिटेड नेपाल, श्री चंद्र सिंह ग्वाल, पूर्व शिक्षा निदेशक उत्तराखंड, श्री राजेश मित्तल, प्रोपराइटर मित्तल क्लॉथ हाउस, श्री विवेक तोमर, चेयरमैन मैरी कॉन्वेंट स्कूल एवं श्री अमित सिंह वरिष्ठ समाज सेवक, श्री जसपाल सिंह सनोघी एवं पदम सिहं थापा मौजूद रहे।वीर गोर्खा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा ने मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी एवं अति विशिष्ट अतिथिय एवं कार्यक्रम में मौजुद सभी महमानों को मैं धन्यवाद किया कि उन्होंने इस कार्यक्रम कि शोभा बढ़ाई ।

उन्होंने कहा, देहरादूनवासियों के लिए मेले में गोर्खाली स्वादिष्ट व्यंजन, सरकारी व अर्ध सरकारी विभिन्न प्रकार के स्टॉलों की प्रदर्शनी, गोर्खाली पारम्परिक वेष-भूषा एवं परिधानों की प्रदर्शनी, आर्मी का खुकुरी नृत्य, दशैंदिपावली नाट्य-नाटिका प्रस्तुति, बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल सामग्री के साथ झूले तथा विभिन्न संस्थानों एवं समूह द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी जा रही है। उन्होंने बताया कि देहरादून वासियों ने महोत्सव में गोर्खाली स्वादिष्ट व्यंजनों का खूब आनंद ले रहे है एवं विभिन्न प्रकार के स्टॉलों में गोर्खाली पारम्परिक वेष-भूषा एवं परिधानों की प्रदर्शनी में दिवाली के शुभ अवसर पर खरीदारी शुरू हो गई है।

कार्यक्रम में मौजुद वीर गोर्खाकल्याण समिति के महासचिव विशाल थापा ने बताया कि यह तीन दिवसीय मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ भारत और नेपाल के कलाकारो और उनके संस्कृतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इस मेले के द्वारा उत्तराखण्ड की संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।समिति के सांस्कृतिक सचिव देवकला दीवान ने बताया कि गोर्खा दर्शैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रम में ताशी लामा एंड ग्रुप द्वारा बुद्धिष्ट डांस की प्रस्तुति दी गई एवं वैभवी नित्रा केंद्र की ओर से रामजी की निकली सवारी नृत्य की प्रस्तुति दी गई साथ ही साथ दिव्या एंड ग्रुप की तरफ से दिव्या और भूमि ने नेपाली नित्य पर लोगों का अपनी प्रस्तुति से दिल जीत लिया। वहीं हिन्दी गानों पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सुन्दर-सुन्दर प्रस्तुतियां दी गई। वही बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार एवं गायिका शिकाएना मुखिया ने अपने प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान वीर गोर्खाकल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला तमांग , उपाध्यक्ष श्री सूर्य विक्रम शाही, मनोज तमांग, महासचिव श्री विशाल थापा, कोषाध्यक्ष श्री टेकू थापा, सचिव श्री देविन शाही, सचिव श्रीमती आशु थापा,सांस्कृतिक सचिव श्रीमती देव कला दीवान, सांस्कृतिक सह सचिव श्रीमती झगु राना, संरक्षक मेजर बि पी थापा, संरक्षक सुश्री सारिका प्रधान , सलाहकार कर्नल फुल माया गुरुंग, कर्नल एलबी खत्री वही समिति सदस्यों में बुदेश राई, दिल कुमारी शाही ,करमिता थापा,सूबेदार मीन प्रसाद गुरुंग एवं सूजन शाही मौजूद रहे।

- अन्तर्राष्ट्रीय लोक गायक श्याम राना व लोक गायिका अमृता लुगंली भारत-नेपाल के संस्कृतियों को अपने सुरों में पिरोया
- दर्शैं-दीपावली महोत्सव-2022 के पहले दिन देर रात तक लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाया

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा